RNI : UAHIN/25/A3210

आवाम इंडिया

हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष: 01 अंक: 05 देहरादून, शुक्रवार 08 मई 2026 मूल्य 2 रुपये पृष्ठ: 8 www.aawamindia.com

उभरती भाजपा की नई फायरब्रांड पीढ़ी

भाजपा आज अपने स्वर्णिम दौर में हैं। नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी ना केवल भाजपा के अभेध गढ़ तैयार कर रही है बल्कि उस नई और फायरबिग्रेड पीढ़ी का भी निर्माण कर रही है जो आने वाले कल में भाजपा के खेवनहार होंगे। ये नई पीढ़ी नरेंद्र मोदी के भरोसे की भी प्रतीक है और जनता के बीच भी अपना दमखम रखती है। इस नई पीढ़ी में उत्तराखंड से पुष्कर सिंह धामी, उत्तर प्रदेश से योगी आदित्यनाथ, असम से हिमंता बिस्वा सरमा, महाराष्ट्र से देवेंद्र फडणवीस और अब बंगाल से सुवेंदु अधिकारी भी शामिल हो गये हैं। भाजपा हाईकमान ने इस नई पीढ़ी में उस पंक्ति के नेताओं को ज्यादा तवज्जोह दी है जो दरकिनार की जाती थी लेकिन इस पीछे की पंक्ति ने आगे आकर खुद को साबित करके दिखाया है। हालांकि अभी दक्षिण में भी एक ऐसे ही फायरब्रांड चेहरे की तलाश है जो भाजपा का लोहा मनवा सके।

उत्तराखंड के सबसे युवा मुख्यमंत्री। महज 51 साल की उम्र और लगभग अपना 5 साल का कार्यकाल पूरा करने वाले हैं। पुष्कर सिंह धामी की गिनती नरेंद्र मोदी के सबसे चहेते नेताओं में होती है। जिस आत्मीय भाव से नरेंद्र मोदी, पुष्कर सिंह धामी से मिलते हैं वो किसी अन्य के साथ देखने को नहीं मिलता है। पुष्कर सिंह धामी ने भी उस आत्मीय भाव को साबित करके दिखाया है। उनके नेतृत्व में उत्तराखंड में यूसीसी लागू हुई है। मदरसा बोर्ड खत्म हुआ है। धार्मिक अतिक्रमण से रिकॉर्ड भूमि मुक्त करायी गयी है। यदि 75 वर्ष को राजनीतिक आयु सीमा का मानक माना जाये तो अभी पुष्कर सिंह धामी के पास सेवा करने के 24 साल बाकी हैं।

पुष्कर सिंह धामी

देशभर में भाजपा के सबसे बड़े फायरब्रांड नेता। लगभग 54 साल की उम्र और बहुत लम्बा राजनीतिक अनुभव। 5 बार के लोकसभा सांसद और करीब 9 साल से उत्तर प्रदेश जैसे बड़े प्रदेश के मुख्यमंत्री। योगी आदित्यनाथ को देशभर में बुल्डोजर बाबा के नाम से जाना जाता है। वो चुनाव प्रचार के लिए किसी भी राज्य में जिस सीट पर जाते हैं वहां विपक्ष का गणित बिगाड़ देते हैं। भाजपा के कार्यकर्ताओं में उनका जबरदस्त क्रेज है। उत्तर प्रदेश में जब 2017 में भाजपा ने वापिसी की तो कई दिग्गज नेताओं को दरकिनार करके योगी आदित्यनाथ को मौका दिया गया था। आज उत्तर प्रदेश भाजपा का सबसे मजबूत किला है। भाजपा कार्यकर्ता योगी आदित्यनाथ को भावी प्रधानमंत्री के रूप में देखते हैं।

योगी आदित्यनाथ

हिमंता बिस्वा सरमा आज भाजपा के सबसे बड़े हिंदु कार्ड है। वो एकमात्र ऐसे नेता हैं जिनके बयान कभी-कभी भाजपा हाईकमान को भी असहज कर देते हैं लेकिन जनता और कार्यकर्ताओं के बीच उनकी छवि को कोई हिला नहीं सका है। उनके दम पर ही असम में भाजपा ने हेट्रिक लगायी है। वो एकमात्र ऐसे भाजपा के मुख्यमंत्री हैं जो कांग्रेस बेकग्रांउड से आये हैं। भाजपा के लिए वो एक उदाहरण भी हैं कि भाजपा दूसरे दल से आये नेताओं को इतना बड़ा पद दे सकती है। हिमंता बिसवा सरमा एक जमाने में कांग्रेस का बड़ा सेक्यूलर चेहरा होते थे लेकिन भाजपा में आकर ना उन्होंने सिर्फ छवि को पूरी तरह बदला बल्कि बड़े फायरब्रांड नेता बनकर उभरे हैं।

हिमंता बिस्वा सरमा

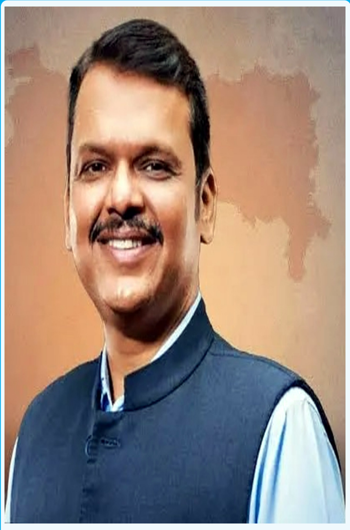

देवेन्द्र फडणवीस महाराष्ट्र के मौजूदा मुख्यमंत्री हैं और नरेंद्र मोदी के खासे करीबियों में गिने जाते हैं। उनकी करीब 56 साल की उम्र है और वो 44 वर्ष की आयु में राज्य के दूसरे सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बनने का खिताब हासिल कर चुके हैं। पिछले लगभग एक दशक में महाराष्ट्र में जनादेश में खूब बदलाव हुए। कभी देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री बनना पड़ा, कभी उपमुख्यमंत्री बनना पड़ा लेकिन हाईकमान का भरोसा उन पर बना रहा। एक समय ऐसा भी आया कि रात के अंधेरे में वो मुख्यमंत्री बने और मात्र 80 घंटे में इस्तिफा देना पड़ा लेकिन प्रदेश में वो भाजपा के सिरमौर बने रहे। वो बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई कर चुके हैं और छात्र जीवन से ही पार्टी से जुड़े हैं।

देवेन्द्र फडणवीस

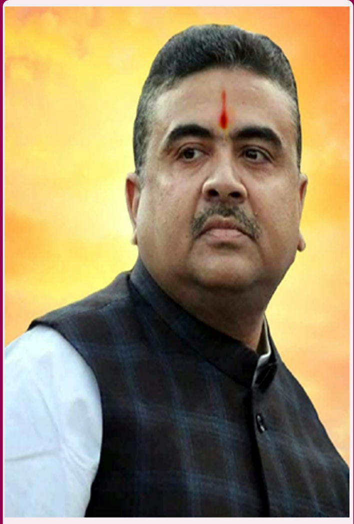

बंगाल में पहली बार भाजपा का परचम लहराने में सुवेंदु अधिकारी की बड़ी भूमिका रही है। सुवेंदु की भी करीब 56 साल की उम्र है और वो टीएमसी से होते हुए भाजपा में आये हैं। उनके पिता शिशिर अधिकारी भी 3 बार सांसद रह चुके हैं। छात्र जीवन से राजनीति कर रहे सुवेंदु के रूप में बंगाल को पहली बार हार्डकोर नेता मिला है। वो नेता जिसने ना ममता बनर्जी के गढ़ को छीन लिया बल्कि उन्हें आमने-सामने चुनाव में भी हरा दिया। एक जमाने में वो ममता के खास लोगों में गिने जाते थे और आज ममता से लड़कर ही भाजपा के बड़े फायरब्रांड फेस बने हैं। सुवेंदु ने शादी नहीं की है और पहली बार पार्षद का चुनाव जीते थे।

सुवेंदु अधिकारी

ममता ने नहीं दिया इस्तीफा, राज्यपाल ने भंग की विधानसभा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में राज्यपाल ने विधानसभा को भंग कर दिया गया है। ममता के इस्तीफा नहीं देने के बाद ये बड़ा एक्शन लिया गया है। 7 मई, 2026 से प्रभावी, इस आदेश से 17वीं विधानसभा का कार्यकाल समाप्त हो गया है और 18वीं विधानसभा के गठन का रास्ता साफ हो गया है। अब राज्य में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह नौ मई को आयोजित किया जाएगा और आज प्रदेश में नये मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा हो जायेगी।

पश्चिम बंगाल के गवर्नर आरएन रवि ने 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद अनुच्छेद 174(2)(इ) के तहत राज्य

असेंबली को भंग किया है। यह कदम नई सरकार के गठन का संवैधानिक मार्ग प्रशस्त करता है। ये कदम तब उठाया गया जब ममता बनर्जी ने इस्तिफा देने से साफ इंकार कर दिया और भाजपा पर

सरकार चोरी करने का आरोप लगाया। विधानसभा भंग कर दिये जाने के बाद ममता बनर्जी अब स्वाभाविक रूप से राज्य की मुख्यमंत्री नहीं रहीं हैं।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में मतदान के बाद चार मई को मतों की मतगणना हुई थी जिसमें तृणमूल कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत के साथ ही राज्य में तृणमूल कांग्रेस के 15 साल लंबे शासन का अंत हो गया और पहली बार बंग भूमि पर भाजपा का उदय हुआ है। आंकड़ों की बात करें तो टीएमसी को मात्र 80 सीटें मिली हैं, जबकि पिछले चुनाव में पार्टी ने अकेले 215 सीटें हासिल की थी। जबकि भाजपा जिसे पिछले चुनाव में मात्र 77 सीटें मिली थी, उसने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 207 सीटों पर कब्जा जमाया है।

अब भाजपा प्रदेश में सरकार बनाने की तैयारी में जुट गयी है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने कहा है कि राज्य में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह नौ मई को आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया था कि यह कार्यक्रम कोलकाता के प्रतिष्ठित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, शपथ समारोह में प्रधानमंत्री, एनडीए व भाजपा के सभी मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे। कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री के साथ दो दर्जन मंत्री भी शपथ लेंगे।

वसुंधरा झील को किया जा रहा है पायलट साइट के रूप में विकसित

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने आज सचिवालय में भूकम्प पूर्व चेतावनी प्रणाली, राष्ट्रीय भूकम्प जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम, राष्ट्रीय ग्लेशियर झील विस्फोट जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम तथा भूस्खलन न्यूनीकरण के अंतर्गत किए जा रहे कार्यो की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी परियोजनाओं के कार्यों की प्रगति का जानकारी लेते हुए संबंधित विभागों तथा संस्थानों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान ग्लेशियर झील विस्फोट जोखिम न्यूनीकरण के अंतर्गत उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी द्वारा वर्तमान प्रगति एवं भविष्य की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास श्री विनोद कुमार सुमन ने बताया कि वाडिया संस्थान द्वारा वसुंधरा झील को एक पायलट साइट के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां अत्याधुनिक अर्ली वार्निंग सिस्टम एवं मॉनिटरिंग मैकेनिज्म स्थापित किए जाएंगे। इस मॉडल को भविष्य में अन्य संवेदनशील ग्लेशियल झीलों पर भी लागू करने की योजना है, जिससे राज्य में ग्लेशियल झीलों से जोखिम प्रबंधन को वैज्ञानिक एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ किया जा सके। मुख्य सचिव ने किया कि वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी वर्ष 2026-27 एवं 2027-28 के लिए प्रस्तावित गतिविधियों का विस्तृत टाइमलाइन प्रस्तुत करे, जिसमें स्पष्ट हो कि कब कौन सा कार्य किया जाना है।

इसके अतिरिक्त संस्थान को निर्देश दिए गए कि न्यूनीकरण उपायों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया जाए, जिसमें अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाने, रियल-टाइम मॉनिटरिंग एवं डिसीजन सपोर्ट सिस्टम तथा स्ट्रक्चरल उपाय जैसे पानी की नियंत्रित निकासी और झील का स्तर कम करने के उपाय शामिल हों।

वहीं, दूसरी बैठक में भूकम्प पूर्व चेतावनी प्रणाली की समीक्षा की गई। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास ने बताया कि वर्तमान में 169 सेंसर एवं 112 सायरन स्थापित किए जा चुके हैं। प्प्ज रुड़की के साथ मिलकर लगातार अर्ली वार्निंग सिस्टम को मजबूत किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इस दिशा में 26 फरवरी, 2026 को IIT रुड़की के साथ एक महत्वपूर्ण डव् हस्ताक्षरित किया गया है, जिसके अंतर्गत 01 जनवरी, 2026 से 31 दिसंबर, 2026 तक मैं प्रणाली के अलर्ट प्रसारण, संचालन एवं अनुरक्षण का कार्य किया जा रहा है। राष्ट्रीय भूकम्प जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम के तहत राज्य में भूकम्पीय संवेदनशील क्षेत्रों में 500 स्ट्रॉन्ग मोशन सेंसर की तैनाती की जा रही है, जिससे मौजूदा चेतावनी प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। इसके अतिरिक्त चेतावनी प्रसार को प्रभावी बनाने के लिए 526 सेंसर (500 स्वदेशी मैं सायरन एवं 26 मल्टी-हैजार्ड अर्ली वार्निंग सायरन) की स्थापना भी प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय भूकम्प विज्ञान केंद्र के अंतर्गत देशभर में कुल 167 सिस्मोलॉजिकल वेधशालाएं संचालित हैं, जिनमें से 8 उत्तराखण्ड में स्थापित हैं। राज्य में भूकम्पीय निगरानी को और सुदृढ़ करने के लिए रुड़की, देवप्रयाग, कर्णप्रयाग, रामनगर, बागेश्वर, अल्मोड़ा, केदारनाथ एवं चकराता में नई स्थायी वेध शालाएं स्थापित करने का प्रस्ताव है। वहीं, तीसरी बैठक में क्मइतपे थ्सवू (मलबा बहाव) से संबंधित जोखिम आकलन पर किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। बताया गया कि चमोली, उत्तरकाशी एवं पिथौरागढ़ जनपदों में कुल 48 संवेदनशील स्थानों की पहचान की गई है। ये सभी स्थान मुख्यत: जल निकासी मार्गों (ड्रेनेज चौनल) के आसपास स्थित हैं, जिन्हें जोखिम के आधार पर उच्च, मध्यम एवं निम्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है, ताकि प्राथमिकता के अनुसार कार्य किया जा सके।

इस कार्य के लिए विभिन्न संस्थानों को शामिल करते हुए एक संयुक्त समिति का गठन किया गया है, जिसमें उत्तराखण्ड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र, केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान तथा उत्तराखण्ड अंतरिक्ष उपयोग केंद्र शामिल हैं। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि चिन्हित संवेदनशील स्थलों पर प्राथमिकता के आधार पर सर्वेक्षण, निगरानी एवं आवश्यक निवारक कार्य किए जाएं। उन्होंने जिला प्रशासन एवं तकनीकी संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

बैठक में वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के निदेशक डॉ. वी.के. गहलोत, डॉ. के. लुइरेई, डॉ. नरेश कुमार, डॉ. मनीष मेहता, यूसैक की वैज्ञानिक डॉ. आशा थपलियाल, यूएलएमएमसी के निदेशक डॉ. शांतनु, केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. डी.पी. कानूनगो, जेसीईओ मो. ओबैदुल्लाह अंसारी उपस्थित रहे। प्प्ज रुड़की के प्रो. कमल, जीएसआई के निदेशक श्री रवि नेगी तथा डॉ. अजय चौरसिया ने ऑनलाइन बैठक में प्रतिभाग किया।

महिला स्वयं सहायता को समूहों को उपलब्ध कराया जाएगा आनलाईन बाजार

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल ने आज कालसी क्षेत्रान्तर्गत विकास महिला हरिपुर सीएलएफ कोल्ड प्रेस्ड ऑयल यूनिट, कोटी कालसी ग्रोथ सेंटर, अमृत सरोवर (धोईरा) एवं कालसी डेयरी फार्म का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्वंय सहायता समूहों द्वारा उत्पादन किये जा रहे उत्पाद की उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता के साथ ही महिलाओं की आजीविका से जुड़े पहलुओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि समूहों द्वारा संचालित इकाइयों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने हेतु उन्हें गूगल मैप्स पर एनरोल कराया जाए, जिससे उत्पादों की पहुंच व्यापक स्तर पर सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कोटी कालसी ग्रोथ सेंटर का भ्रमण कर औद्योगिक एवं स्वरोजगार गतिविधियों की प्रगति का आकलन किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कालसी ग्रोथ सेंटर की पानी की किल्लत निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। हरिपुर कालसी में विकास महिला हरिपुर सीएलएफ के तेल उत्पाद कोल्डप्रेस होने के साथ ही स्वास्थ्य वर्धक है। वहीं कोटी कालसी ग्रोथ सेंटर एप्पल जैम, चटनी, अदरक कैंडी के उप्पाद तैयार किए जाते है। इस दौरान जिलाधिकारी ने स्वयं सहायता समूहों के उत्पादन हेतु उचित बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अमृत सरोवर (धोईरा) का निरीक्षण कर रखरखाव, जल संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने मत्स्य विभाग को निर्देशित किया कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, सरोवर के प्रचार-प्रसार को बढ़ाने के साथ ही तकनीकी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। यह सरोवर मनरेगा के तहत निर्मित है और लगभग 07 माह पूर्व महिला समूह को हस्तांतरित किया गया है, जहां प्राकृतिक तरीके से मत्स्य पालन किया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं एवं इकाइयों का संचालन निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए तथा स्थानीय लोगों को अधिकतम लाभ दिलाने के लिए प्रयास तेज किए जाएं। निरीक्षण के दौरान निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण विक्रम सिंह, उप जिलाधिकारी प्रेमलाल, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारी कार्मिक एवं स्वयंसहायता समूह के सदस्य उपस्थित रहे। जिलाधिकारी सविन बसंल ने कालसी डेयरी फार्म का निरीक्षण कर दुग्ध उत्पादन, पशुपालन व्यवस्थाओं एवं स्थानीय रोजगार की स्थिति का अवलोकन किया। इस दौरान जिलाधि कारी ने परिसर में पौध रोपण भी किया। उन्होंने पशुओं के बाड़ों का निरीक्षण कर उपचार सुविधाओं की जानकारी ली। परिसर में स्थापित अल्ट्रासाउंड मशीन का अवलोकन करते हुए उन्होंने मोबाइल अल्ट्रासाउंड मशीन हेतु किए गए आवेदन पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को समन्वय करने के निर्देश दिए। पशु प्रजनन फार्म कालसी उत्कृष्टता केंद्र के रूप में पहचान वर्ष 1962 में स्थापित पशु प्रजनन फार्म, कालसी एक महत्वपूर्ण सरकारी केंद्र है।

ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान के मुआवजे की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

बड़कोट/उत्तरकाशी। बड़कोट तहसील के अंतर्गत यमुनाघाटी क्षेत्र में हुई भारी ओलावृष्टि से किसानों की फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई हैं। इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों ने उचित मुआवजे की मांग को लेकर उपजिलाधिकारी बड़कोट के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

ज्ञापन में बताया गया कि 2 मई 2026 को पूरे यमुनाघाटी क्षेत्र में अत्यधिक ओलावृष्टि हुई, जिससे खेतों में खड़ी फसलें और पेड़ों में लगे फल पूरी तरह बर्बाद हो गए हैं। इस आपदा के कारण किसानों और बागवानों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है, क्योंकि उनकी आजीविका का मुख्य साधन प्रभावित हुआ है।किसानों ने शासन से मांग की है कि नुकसान का शीघ्र सर्वे कराकर प्रभावितों को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। साथ ही फसल बीमा कंपनी के माध्यम से भी राहत राशि दिलाने की मांग की गई है।

सब्जी मंडी के पास हादसा, कार ने तीन ठेलियों को मारी टक्कर

देहरादून। नेहरू कॉलोनी स्थित सब्जी मंडी के पास एक कार ने फलों की तीन ठेलियों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद सड़क पर फल बिखर गए। घटना में ठेली लगाने वाले विक्रेताओं को आर्थिक नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों की मौके पर भीड़ जुट गई। मुआवजे को लेकर कार चालक और विक्रेताओं के बीच तीखी बहस हुई।

मुख्यमंत्री योगी और धामी ने ओपन जिम में व्यायाम कर दिया फिटनेस का संदेश

देहरादून। उत्तराखंड की पावन भूमि यमकेश्वर आज दो राज्यों के मुख्यमंत्रियों के मिलन और विकास कार्यों की साक्षी बनी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने संयुक्त रूप से यमकेश्वर क्षेत्र का भ्रमण कर महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय बिथ्याणी में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दोनों मुख्यमंत्रियों ने यमकेश्वर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया। उन्होंने महादेव से देश व प्रदेश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की प्रार्थना की। यमकेश्वर आगमन पर जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने अतिथियों का स्वागत किया।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने पैतृक गाँव पंचूर पहुँचे। यहाँ उन्होंने श्री विष्णु महायज्ञ में प्रतिभाग किया और परिवार व ग्रामीणों के साथ आध्यात्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बने। मुख्यमंत्री योगी ने मंदिर समिति का आभार जताते हुए कहा कि तीन वर्ष पूर्व जहाँ केवल श्रद्धा का भाव था, आज वहाँ भव्य मंदिर खड़ा है। युवाओं को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा जीवन में प्रगति के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण का होना अनिवार्य है। अच्छा सोचने से परिणाम सुखद होते हैं, और इस सकारात्मक ऊर्जा को बनाए रखने के लिए ईश्वर की भक्ति और आध्यात्मिकता ही सबसे सशक्त माध्यम है।मुख्यमंत्री धामी ने मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व की सराहना करते हुए श्ऑपरेशन सिंदूरश की बरसी का उल्लेख किया। उन्होंने क्षेत्र को बड़ी सौगात देते हुए बिथ्याणी महाविद्यालय को श्आदर्श कॉलेजश के रूप में विकसित करने और क्षेत्र में मिनी स्टेडियम का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को वैश्विक स्तर की शिक्षा और खेल सुविधाएं देने हेतु संकल्पबद्ध है, जिसके क्रम में इस महाविद्यालय को हाईटेक किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है।

महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय, बिथ्याणी पहुँचने पर छात्राओं ने पारंपरिक भव्यता के साथ दोनों मुख्यमंत्रियों का भावपूर्ण अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरु गोरखनाथ की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। शिक्षा के आधुनिकीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए अतिथियों ने महाविद्यालय की नई एआई आधारित वेबसाइट का डिजिटल उद्घाटन किया, जिसकी कार्यप्रणाली के बारे में त्रिलोक चंद्र शर्मा ने विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान डिजिटल तकनीक का अनूठा उदाहरण तब देखने को मिला जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं एआई बॉट से संवाद कर महाविद्यालय की परीक्षा प्रणाली व परिणामों की समीक्षा की, जबकि मुख्यमंत्री धामी ने छात्र संख्या और कौशल विकास जैसे विषयों पर चर्चा की। इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय के नए भवन व सेमिनार हॉल का उद्घाटन और शविकसित भारत एक संकल्पश पुस्तक का विमोचन भी गरिमामय ढंग से संपन्न हुआ।

युवाओं को फिटनेस के प्रति प्रेरित करने के लिए महाविद्यालय परिसर में ओपन जिम का लोकार्पण किया गया। दोनों मुख्यमंत्रियों ने स्वयं जिम उपकरणों पर व्यायाम कर स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता का संदेश दिया। प्रस्तावित स्टेडियम के लिए चिन्हित भूमि के निरीक्षण के दौरान उन्होंने आश्वस्त किया कि निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और जल्द ही यह जनता को समर्पित कर दिया जाएगा।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, डॉ धन सिंह रावत, पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, स्थानीय विधायक रेनू बिष्ट, निदेशक उच्च शिक्षा डॉ आनंद उनियाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, मुख्य विकास अधिकारी, गिरीश गुणवंत, उपजिलाधिकारी चतर सिंह चौहान, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ योगेश कुमार शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल सहित अन्य अधिकारी, महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं, छात्र छात्राएं तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

चंपावत दुष्कर्म प्रकरण: पुलिस ने किया खुलासा

बदले की भावना से रचा गया था षड्यंत्र

चंपावत: चंपावत सामूहिक दुष्कर्म की कहानी को पुलिस ने पूरी तरह पलट दिया है। अब इस कहानी में नया मोड़ सामने आया है। चंपावत एसपी रेखा यादव ने प्रेसवार्ता कर बताया कि आरोपी कमल रावत ने बदले की भावना से अपनी महिला मित्र के साथ मिलकर सुनियोजित षडयंत्र रचा था और 16 वर्षीय नाबालिग को झूठा प्रलोभन और बहला फुसलाकर सामूहिक दुष्कर्म की कहानी बनायी थी। पुलिस ने नामजद आरोपी समेत अन्य लोगों को कस्टडी में लिया है। मामले की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक चंपावत द्वारा तत्काल क्षेत्राधिकारी चम्पावत के पर्यवेक्षण में 10 सदस्यीय एसआईटी टीम का गठन कर निष्पक्ष एवं गहन विवेचना करने के निर्देश दिये गये हैं।

इस मामले में एसपी रेखा यादव ने घटनास्थल पर जाकर पीड़िता और स्थानीय लोगों से वार्ता की। पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्यों को संरक्षित किया गया और आरएफएसएल उधम सिंह नगर की फील्ड यूनिट को मौके पर बुलाकर वैज्ञानिक तरीके से घटनास्थल का परीक्षण कराया गया। साथ ही पीड़िता का तत्काल मेडिकल परीक्षण, सीडब्ल्यूसी के समक्ष काउंसिलिंग एवं न्यायालय के समक्ष बयान दर्ज कराये गये। पीड़िता की देखरेख एवं सुरक्षा हेतु जिलाधिकारी से पत्राचार कर एक मजिस्ट्रेट भी नियुक्त किया गया।

चंपावत दुष्कर्म प्रकरण में विवेचना के दौरान पुलिस ने बताया है कि पीड़िता ग्राम सल्ली में विवाह समारोह में अपनी इच्छा से अपने दोस्त के साथ गई थी। पुलिस के मुताबिक घटना दिवस पर पीड़िता का विभिन्न स्थानों पर आवागमन एवं गतिविधियां सीसीटीवी फुटेज व सीडीआर से सत्यापित हुई हैं। वहीं चिकित्सीय परीक्षण में किसी प्रकार की बाह्य अथवा आंतरिक चोट, संघर्ष अथवा जबरदस्ती के स्पष्ट चिकित्सीय संकेत प्राप्त नहीं हुए हैं। पुलिस ने कहा है कि कुछ गवाहों के बयान तकनीकी एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों से मेल नहीं खाते पाए गए, जिससे घटनाक्रम की सत्यता प्रमाणित नहीं होती है।

पुलिस के मुताबिक इस पूरे मामले में कमल रावत, पीड़िता एवं पीड़िता की महिला मित्र के मध्य घटना तिथि पर असामान्य रूप से बार-बार संपर्क और वार्तालाप पाया गया है, जो प्रकरण के घटनाक्रम के संबंध में महत्वपूर्ण संकेत प्रदान करता है। पुलिस ने घटना के दौरान नामजद व्यक्तियों विनोद सिंह रावत, नवीन सिंह रावत और पूरन सिंह रावत की मौजूदगी घटनास्थल पर नहीं पायी गयी और गवाहों के बयानों व तकनिकी साक्ष्यों से इस बात की पुष्टि हुई कि घटना के दौरान नामजद व्यक्ति मौके पर नहीं थे।

एसपी चंपावत ने बताया कि विवेचना के दौरान पुलिस द्वारा प्रत्येक तथ्य का वैज्ञानिक एवं निष्पक्ष परीक्षण किया गया है। मामले में किसी भी निर्दोष व्यक्ति को अनावश्यक रूप से प्रताड़ित न किया जाए और दोषी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई सुनिश्चित हो, इस उद्देश्य से सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच जारी है।

सर्बिया दौरे पर पहुंचा उत्तराखण्ड का निर्वाचन प्रतिनिधिमंडल

सर्बिया: उत्तराखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.बी.आर.सी. पुरुषोत्तम के नेतृत्व में 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल यूरोप के सर्बिया गणराज्य पहुंचा है जहां अध्ययन भ्रमण से दोनों देशों के निर्वाचन प्रबंधन, मतदाता जागरूकता एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को समझने का अवसर मिला है, जिससे भविष्य में आपसी

निर्वाचन प्रबंधन, मतदाता जागरूकता एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को समझने का प्रयास किया जायेगा। भारत निर्वाचन आयोग की पहल पर ये प्रतिनिधिमंडल लोकतांत्रिक देशों के निर्वाचन प्रक्रिया के शोध-अध्ययन का कार्य करेगा। बुधवार को भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने सर्बिया के नोवी साद प्रांत की विधानसभा का भ्रमण किया, जहां लोकतांत्रिक संस्थाओं के संचालन एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की गई। इस अवसर पर नोवी साद प्रांत विधानसभा की चेयरमैन दीना वुचिनिच ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए भारत और सर्बिया के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों एवं निर्वाचन प्रक्रियाओं के क्षेत्र में सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि इस सहयोग को और मजबूती मिलेगी।भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत और सर्बिया के मध्य निर्वाचन प्रक्रियाओं एवं लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के श्रेष्ठ अनुभवों के आदान-प्रदान के उद्देश्य से सर्बिया की प्रांतीय निर्वाचन आयोग के साथ भी महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने सर्बिया की निर्वाचन प्रणाली, प्रशासनिक कार्यप्रणाली तथा चुनाव प्रबंध न की विभिन्न व्यवस्थाओं का अध्ययन किया गया। इस प्रतिनिधिमंडल में मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम, अपर मुख्य निर्वाचन अधि कारी डॉ. विजय कुमार जोगदण्डे, जिलाधि कारी टिहरी नितिका खण्डेलवाल, ईआरओ काशीपुर गौरव पांडे एवं बीएलओ मोहम्मद कलीम शामिल हैं।

सम्पादकीय

अपने स्वर्णिम युग में भाजपा

आजाद भारत के चुनावी इतिहास में पहली बार बंगाल की धरती पर भगवा लहराया है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी का अपने कार्यकर्ताओं के लिए यह बड़ा उपहार है। ये उपहार संघ की पृष्ठभूमि के लिए भी है। हिंदी बेल्ट से थोड़ा आगे निकलकर बंग भूमि पर भाजपा ने राष्ट्रवादी चिंतन का जो वैचारिक आधार खड़ा किया है वो आने वाले कई सालों तक अपना प्रभाव दिखायेगा। नरेंद्र मोदी जब 2014 में बनारस से चुनावी मैदान में उतरे थे तो वो कहते थे कि मां गंगा ने बुलाया है। आज वो कह सकते हैं कि मां गंगा का पूर्ण आशीर्वाद उन्हें मिल गया है। गंगोत्री से गंगा सागर तक भगवा लहरा रहा है। ये भाजपा के लिए सुखद अहसास है कि हिंदुत्व की इस पिच पर गंगा कोरीडोर का भाजपामय होना वैचारिक आधार की मजबूती बनेगा।

बंगाल की जीत के कई मायने हैं। बरसों लाल रंग में रंगे बंगाल पर भगवा रंग का चढ़ना भाजपा की बड़ी राजनीतिक जीत है। टीएमसी ना सिर्फ 15 साल से बंगाल में राज कर रही थी बल्कि इंडिया गठबंधन का भी एक मजबूत किला है। उत्तर प्रदेश और बिहार के बाद बंगाल वो राज्य है जहां कांग्रेस अपना अस्तित्व बरसों पहले खो चुकी है। यहां क्षेत्रीय पार्टी का दबदबा है और दशकों से सरकारें बना रहे हैं। उत्तर प्रदेश में भाजपा 90 के दशक में पहली बार आयी थी। हालांकि उसके बाद सरकारें आती रही और जाती रही लेकिन भाजपा का अस्तित्व बरकरार रहा। वहीं बिहार में 46 साल के इतिहास में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री बना है। सम्राट चौधरी एनडीए गठबंधन की कमान के ध्वाजावाहक जरूर हैं लेकिन वहां बड़ी ताकत भाजपा है जदयू नहीं। नीतीश कुमार का बीच कार्यकाल में ही दिल्ली बुला लेना साबित करता है कि जदयू पर भाजपा का दबाव है। अब बंगाल भी भाजपामय हो चुका है। इस चुनाव में नरेंद्र मोदी का चुनावी प्रचार और सक्रियता कमाल की रही। करीब 19 रैली और 5 रोड शो के माध्यम से पीएम नरेंद्र मोदी अपना राजनीति प्रभाव छोड़ने में कामयाब रहे। अमित शाह के लिए ये चुनाव कितना अहम था वो उनकी रणनीति से समझा जा सकता है। 15 दिन लगातार वो बंगाल की धरती पर स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच रहे। एक-एक सीट पर रणनीति बनायी गयी। एक-एक मुद्दे की रूपरेखा तैयार की गयी। हिंदुत्व कार्ड के साथ-साथ स्थानीय मुद्दों पर गंभीरता से फोकस किया गया। टीएमसी को अपनी पिच पर खेलने के लिए मजबूर किया गया। ऐसा माहौल बन गया था कि ममता बनर्जी राजनीतिक नहीं बल्कि भावनात्मक और एग्रीसिव ज्यादा लग रही थी और यहीं से गलतियों की संभावना बढ़ती गयी और उसका सीधा लाभ भाजपा को मिला। एसआईआर, घुसपैठ, अराजकता और चुनाव आयोग टीएमसी इन मुद्दों में ही उलझी रही और भाजपा को अपनी रणनीति बनाना आसान होता रहा।

आज भाजपा अपने स्वर्णिम दौर में है। मार्च 1990 में पहली बार किसी राज्य में भाजपा की सरकार बनी थी। राजस्थान में भैरो सिंह शेखावत पहली भाजपाई मुख्यमंत्री थे अब 36 साल बाद देखते हैं तो करीब 21 राज्यों में भाजपा और उनके सहयोगी एनडीए की सरकार हैं। इनमें 16 ऐसे राज्य हैं जहां भाजपा के मुख्यमंत्री हैं। 1980 में जनसंघ से अलग होकर, भाजपा की नींव पड़ी थी। अटल बिहारी वाजपेयी पहले अध्यक्ष थे और लाल कृष्ण आडवाणी के साथ जो सफर शुरू किया फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। पहले चुनाव में दो लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की थी और करीब 18 साल बाद देश की सत्ता पर काबिज होकर प्रधानमंत्री बनने का सफर तय किया। आज वहीं भाजपा है हालांकि जोड़ी बदल गयी है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने पहले से कहीं ज्यादा भाजपा को मजबूत कर दिया है। आज मौजूदा समय में भाजपा देश की सबसे बड़ी पार्टी है। आधे से कहीं ज्यादा देश को अपने रंग में रंग चुकी है। 2014 से लगातार देश की सत्ता में हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भाजपा चुनाव लड़ना जानती है। दो हाथों को हजार हाथों में बदलने का हुनर जानती है। क्षेत्रीय भावनाओं को टच करना जानती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष से पन्ना प्रमुख तक सक्रियता को निभाना जानती है। यही सक्रियता ही भाजपा को जीत का उपहार दे रही है। अन्य पार्टियां जब तक चुनावी मोड में आती है तो भाजपा का आधा सफर तय हो चुका होता है।

हर कामयाब पुरूष के पीछे उसकी पत्नी की भूमिका रही : अनन्त आकाश

इतिहास में मित्रता के असंख्य उदाहरण हो सकते हैं किन्तु उनमें से जीवन साथी तथा मित्रों के ऐसे कम ही उदाहरण हैं ,जब किसी जीवन सघंीनी तथा मित्र ने बिना ऊफ किये ही ऐसी मित्रता निभाई

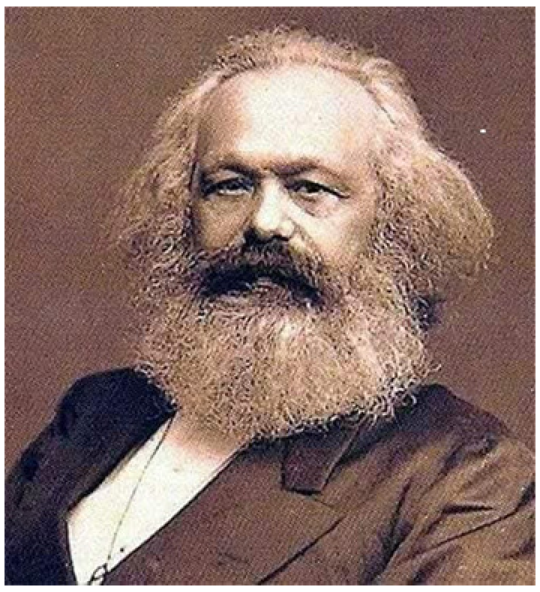

हो तथा इस मित्रता ने दुनिया को बदलने का वैज्ञानिक सिध्दांत दिया हो !

जैनी ,मार्क्स ,एग्लिंल्स का ऐसा ही बेहद प्रेणादारक एवं अनूठा उदाहरण हमारे सामने हैं। जिसने हमें सर्वोच्च बलिदान के साथ ही समाज के प्रति अपनी जबाबदेही का रास्ता दिखाया है। विश्व में साम्यवाद के जन्मदाता कार्ल मार्क्स का जन्म 5 मई 1818 में जर्मनी ट्रिविज मे हुआ था ,पेशे से उनके पिता वकील थे। अनेकों देशों से निर्वासित होने के बाद जब वे दुनिया लिए ष्दास कैपिटल ष्के लिखने में तल्लीन थे ,तब उन्हें अपना एवं परिवार का निर्वहन करना काफी मुश्किल हो गया था ।ऐसी विकट परिस्थितियों में भी उनकी पत्नी जो कि उनकी राजनीतिक सहयोगी भी थी ,ने उन्हें निराश नहीं किया उन्होंने पुराने कपड़ों की मरम्मत कर लन्दन की गली - गलियों में घूमकर जाकर बेचा तथा परिवार का भरण पोषण किया । उनकी पत्नी की इस प्रतिबध्दता के परिणामस्वरूप ही विश्व को ष्दास कैपिटलष्ग्रन्थ तथा मार्क्स जैसा दार्शनिक मिला ।विश्व के महान दार्शनिक और राजनीतिक अर्थशास्त्र के प्रेणता कार्ल मार्क्स जीवनोपर्यन्त अभावों में रहे ,इसके कारण उनके कई बच्चों की असमय मृत्यु हुई ।जैनी मार्क्स जो पर्सिया राजघराने की थी ने अपना शानोशौकत त्यागकर अपने पति मार्क्स के आदर्शों एवं युगांतरकारी प्रयासों की सफलता के लिए अपने आप को समर्पित कर दिया। जर्मनी से निर्वासित होने के बाद मार्क्स लन्दन आये, न जाने उन्होंने ,जैनी तथा बच्चों ने क्या -क्या कष्ट नहीं झेले ,वर्णन करना काफी कष्टकारी है। मार्क्स ने अपने जमाने में अनेक घटनाओं को बहुत ही करीबी से देखा तथा समाज को बदलने के स्वप्न को साकार करने के लिए दिन रात एक किया। विद्रोही लेखन समाज की रूढिवादी परम्पराओं के खिलाफ संघर्ष के चलते तत्कालीन सत्ताधारियों तथा पोंगापंथी समाज को मार्क्स रास नहीं आ रहे थे। इसलिए उनका कई - कई बार अनेक देशों से निकाला होता रहा। ऐ सारी घटनाऐं भी उनके इरादों में बाधक नहीं बन पायी। परसा में यहुदी परिवार में जन्मे मार्क्स के प्रगतिशील विचारों के पिता पेशे से वकील थे। जिनकी मृत्यु के समय मार्क्स कम उम्र के थे। मार्क्स की शादी आस्ट्रिया के राज परिवार के मन्त्री की बेटी जेनी से हुई थी जो कि शानोशौकत में पली थी,जो मार्क्स की प्रतिभा से प्रभावित थी तथा उनको दिलोजान से चाहती थी तथा उनसे पांच साल बढ़ी थी। भारी कष्टों एवं अभावों के बावजूद मरते दम तक उसने मार्क्स का साथ नहीं छोड़ा। मार्क्स भी अपनी पत्नी को उतना ही प्यार करते थे ,वे एक दूसरे के आजीवन पूरक रहे। जेनी ने मार्क्स को आगे बढाध्ने के लिए अपना सर्वस्व नौच्छावर किया इतिहास में ऐसे कम ही उदाहरण मिलते हैं। जिन्होंने बेहतर दुनिया के निर्माण के लिए अपना सब कुछ दाव पर लगाया। जेनी की मृत्यु पर मार्क्स बेहद दुखी थे तथा अपने को अकेला महसूस करने लगे। लन्दन निर्वासन के दौरान जेनी के बाद एक वैचारिक मित्र के रूप में फैडरिक एंगेल्स जो कुलीन परिवार के साथ ही एक उधोगपति परिवार के भी थे। वे मार्क्स की हरसंभव सहायता करते थे क्योंकि वे मार्क्स को पहले से ही भलीभांति जानते थे, उन्होंने इंसानियत के लिए हो रहे ऐतिहासिक कार्य को मार्क्स के मृत्योपरान्त भी आगे बढ़ाकर मित्रता का फर्ज बखूबी निभाया। मार्क्स ने अपने जीवित रहते ही समाज के लिए अभूतपूर्व कार्य कर डाला, शायद किसी दार्शनिक ने आज तक ऐसा किया हो, मार्क्स से पहले तो दार्शनिकों ने केवल दुनिया की व्याख्या की, किन्तु मार्क्स ने दुनिया को बदलने का रास्ता बताया।मार्क्स ने दुनिया में शोषण से मुक्ति के लिए दुनियाभर के मजदूरों एक हो का नारा देकर उन्हें शोषण से मुक्ति का सूत्र दिया। दुनिया में शोषक तथा शोषितों के मध्य एक स्पष्ट लकीर खींचकर शोषितों के लिए एक लक्ष्य निर्धारित किया कि उनकी असली लड़ाई किन के खिलाफ है? ऐसे गुमनाम सितारों से भरा हुआ है, इतिहास गवाह है, हर कामयाब पुरूष के पीछे उसकी पत्नी की भूमिका रही है, जैनी की महानता एवं सर्वोच्च बलिदान परिकाष्ठा इस तथ्य की पुष्टि करती है।

लेखक अनन्त आकाश सीपीआई (एम) देहरादून के सचिव है। यह लेखक के निजी विचार हैं।

श्रीमद्भागवत महापुराण सनातन धर्म में सबसे महत्वपूर्ण ग्रंथों में से एक

देहरादून। विकास लोक सहस्त्रधारा रोड पर जयसवाल निवास पर हो रही श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस के प्रसंग

में सुप्रसिद्ध कथा व्यास सुभाष जोशी द्वारा अमर कथा व सुखदेव जी का जन्म का विस्तार से वर्णन किया।

भागवत पुराण हिन्दुओं के अट्ठारह पुराणों में से एक है। श्रीमद्भागवत महापुराण, महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित एक सर्वोच्च वैष्णव पुराण है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, 12 स्कंधों और 18,000 श्लोकों के माध्यम से भक्ति योग का वर्णन है। यह राजा परीक्षित को शुकदेव जी द्वारा सुनाया गया ज्ञानयज्ञ है, जो जीवन-मरण के चक्र से मुक्ति और भगवान की कृपा का मार्ग दिखाता है। श्रीमद्भागवत को साक्षात् भगवान का स्वरूप माना गया है, जिसे श्रद्धापूर्वक सुनने से ही परम आनंद की प्राप्ति होती है। कलियुग में भागवत कथा ही ईश्वर से जुड़ने का सबसे सरल उपाय है, जो जीवन को सार्थकता प्रदान करती है। भागवत कथा एक ऐसा अमृत है कि इसका जितना भी पान किया जाए आत्मा तृप्ति नहीं होती है। श्रीमदभागवत साक्षात कल्पवृक्ष है। यह शब्द रूप में स्वयं श्रीकृष्ण हैं। इसलिए इसके श्रवण से मोक्ष मिल जाता है। इस आयोजन का सौभाग्य जन्म जन्मांतर के पुण्यों से प्राप्त होता है। जिस प्रकार से सूर्य संपूर्ण सृष्टि में अंधकार का नाश कर प्रकाश का प्रादुर्भाव करता है

बेटी बचाओ-बेटी पढाओ और नारी शक्ति वंदन केवल भाजपा के चुनावी जुमले: गणेश गोदियाल

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री गणेश गोदियाल ने दिनांक 5 मई 2026 को चम्पावत में 16 वर्षीय नाबालिग युवती के साथ हथियारों की नोक पर हुई सामूहिक बलात्कार की घटना को मानवता को शर्मसार करने वाली तथा देवभूमि उत्तराखंड की अस्मिता को कलंकित करने वाली घटना करार दिया है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ0 प्रतिमा सिंह के माध्यम से जारी बयान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री गणेश गोदियाल ने कहा कि चम्पावत में सामूहिक बलात्कार की इस घृणित एवं शर्मनाक घटना से राज्य की गिरती कानून व्यवस्था, राज्य में महिलाओं के साथ लगातार बढते अपराध तथा महिला सुरक्षा के प्रति भाजपा सरकार की नाकामी उजागर हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के गृह क्षेत्र चम्पावत में सामूहिक बलात्कार की इस घटना में भाजपा के पूर्व मंडल उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत की संलिप्तता तथा राज्य में अब तक हुई बलात्कार एवं महिला अपराध की अधिकतर घटनाओं में सत्ताधारी दल भाजपा से जुड़े लोगों का नाम सामने आने से नारी शक्ति

वंदन के नाम पर भाजपा की मातृशक्ति के प्रति झूठे दिखावे की पोल खोल कर रख दी है। मामले में सत्ताधारी दल के नेताओं की संलिप्तता के कारण राज्य पुलिस पर इस घटना में भी लीपापोती का दबाव बनाया जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री गणेश गोदियाल ने कहा कि राज्य में विगत 10 वर्ष के अन्तराल में महिलाओं एवं मासूमों से बलात्कार, हत्या जैसे जघन्य अपराध की घटनाओं की बाढ जैसी आई हुई है। राज्य में लगातार घट रही सामूहिक बलात्कार की घटनाएं मानवता को शर्मसार करने वाली तथा देवभूमि की अस्मिता को कलंकित करने वाली घटनाएं हैं। महिला अपराध की घटनाओं में उत्तराखण्ड राज्य सभी हिमालयी राज्यों में पहले स्थान पर पहुंच चुका है, परन्तु राज्य की धामी सरकार एवं नारी शक्ति वंदन का ढिंढोरा पीटने वाली भाजपा महिला अपराध की इन घटनाओं को रोकने की बजाय इस प्रकार के अपराध करने वालों की संरक्षक बनी हुई है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने यह भी कहा कि चाहे अंकिता भंडारी हत्याकांड में वीआईपी के रूप में भाजपा नेताओं की भूमिका हो या भाजपा नेता पुत्र पुलकित आर्य की, हरिद्वार में अपनी 13 वर्षीय नाबालिग बेटी से सामूहिक दुष्कर्म कराने का मामला भाजपा महिला मोर्चा पदाधिकारी अनामिका शर्मा से जुड़ा हुआ हो या द्वाराहाट में नाबालिग दलित युवती से बलात्कार मामले में मुख्य आरोपी भाजपा नेता प्रमोद बिष्ट, रूद्रपुर में नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म मे मुख्य आरोपी भाजपा नेता नरेन्द्र गंगवार हो या बहादराबाद में दलित युवती की बलात्कार एवं हत्या कांड में मुख्य आरोपी भाजपा नेता अमित सैनी, लालकुंआ नाबालिग बलात्कार कांड में मुख्य आरोपी भाजपा नेता, नैनीताल दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा या अल्मोड़ा में 14 वर्षीय नाबालिग से छेड़छाड कांड में मुख्य आरोपी भाजपा मंडल अध्यक्ष भगवत सिंह बोरा तथा रूद्रपुर में नाबालिग लड़की एवं उसकी मां से छेड़छाड़ मामले में मुख्य आरोपी भाजपा पार्षद शिव कुमार गंगवार हों या अब चम्पावत में सामूहिक बलात्कार की घटना में भाजपा के पूर्व मंडल उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत की। इन सभी प्रकरणों से ऐसा प्रतीत होता है कि उत्तराखंड राज्य के सत्ताधारी दल के नेताओं की नजरों में मातृशक्ति केवल उपभोग की वस्तु मात्र है तथा नारी शक्ति वंदन और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ चुनावी जुमला।

कृषि मंत्री ने लॉन्च की डिजिटल सब्सिडी प्रणाली

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने अपने कैंप कार्यालय में नाबार्ड पॉलीहाउस योजना के अंतर्गत केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) के माध्यम से अनुदान वितरण प्रक्रिया का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने किसानों के खातों में प्रतीकात्मक रूप से डिजिटल भुगतान कर नई प्रणाली की शुरुआत की। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को साकार करने में यह पहल महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने बताया कि उद्यान विभाग ने नाबार्ड की आरआईडीएफ योजना के तहत क्लस्टर आधारित छोटे पॉलीहाउस स्थापना योजना में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल भुगतान प्रणाली लागू की है। उन्होंने जानकारी दी कि किसान "अपुणि सरकार" पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करेंगे। आवेदन की जांच और स्थल सत्यापन के बाद पात्र किसानों को सीबीडीसी वाउचर जारी किए जाएंगे। पॉलीहाउस निर्माण पूर्ण होने और सत्यापन तक वाउचर की राशि 'लॉक्ड स्टेटस' में रहेगी, जबकि सत्यापन के उपरांत संबंधित फर्म या कंपनी के खाते में भुगतान किया जाएगा। कृषि मंत्री ने बताया कि 50 से 100 वर्गमीटर आकार के छोटे पॉलीहाउस के लिए किसानों को 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। इस योजना के लिए 304.43 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है, जिसे तीन किस्तों में सीबीडीसी वाउचर के माध्यम से वितरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 25 फर्मों एवं कंपनियों का पंजीकरण किया गया है। किसान अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी पंजीकृत फर्म के माध्यम से पॉलीहाउस का निर्माण करा सकते हैं। डिजिटल वॉलेट के जरिए सब्सिडी सीधे लाभार्थियों तक पारदर्शी और विश्वसनीय तरीके से पहुंचेगी। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कृषि एवं उद्यान विभाग की विभिन्न योजनाओं का भुगतान भी सीबीडीसी के माध्यम से सुनिश्चित किया जाए, ताकि पारदर्शिता और समयबद्धता बनी रहे। उन्होंने यह भी कहा कि ब्लॉक स्तर तक व्यापक प्रशिक्षण और जागरूकता अभियान चलाकर अधिक से अधिक किसानों को इन योजनाओं से जोड़ा जाए। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पहल न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी, बल्कि प्रदेश की आर्थिक प्रगति को भी नई गति प्रदान करेगी।इस अवसर पर सचिव कृषि डा0 एसएन पांडेय, निदेशक उद्यान सुंदर लाल सेमवाल, आईटीडीए के निदेशक आलोक कुमार पाण्डेय, आरबीआई से अरविन्द कुमार, यूनियन बैंक के अर्चना शुक्ला, प्रांजल वाजपेयी, नाबार्ड के डीजीएम अभिनव कापड़ी, सहित जनपद स्तरीय अधिकारीगण एवं किसान उपस्थित रहे।

खजानदास ने अपना वादा पुरा कर विधानसभा वासियों को दी बड़ी सौगात

देहरादून। आज राजपुर रोड विधान सभा के वार्ड 20 में मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अन्तर्गत चन्दर नगर नाला रोड पर स्थित पुल से त्यागी रोड तक भुमिगत किये गये चन्दर नगर नाले का सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज के साथ लोकार्पण किया। इस अवसर पर सिंचाई मंत्री ने क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुये कहा कि आपका विधायक श्री खजानदास जो वर्तमान सरकार में हमारे सहयोगी भी है बहुत ही कर्मठ एंव जनप्रिय नेता है तथा सदैव हमें क्षेत्र की समस्याओ से अवगत कराते रहते है इसी का परिणाम है कि आज हम आपके क्षेत्र में 3.83 करोड़ की लागत के कार्य का लोकार्पण कर रहे है। लोकार्पण कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक समाज कल्याण मंत्री श्री दास ने कहा कि हमारी सरकार लगातार प्रदेश एवं क्षेत्र के विकास के लिये निरन्तर कार्य कर रही है तथा हमारे युवा यशस्वी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जनता के द्वार जनता की सरकार के संकल्प के रूप में तमाम जन कल्याणकारी योजनाएं बनाकर प्रदेश का चहुंमुखी विकास कर रहे है। मंत्री श्री दास ने कहा कि पूर्व निर्मित खुले नाले के कारण क्षेत्रवासियों को लगातार नाले में पानी भरने व गन्दगी से बिमारियों एवं संक्रमण का खतरा बना रहता था जिससे अब क्षेत्रवासियों को निजात तो मिलेगी ही इसके साथ-साथ भूमिगत किये गये नाले नाले के ऊपर आरसीसी बाक्स एव सम्पर्क मोटर मार्ग के आवागमन की भी सुविधा मिली है जो चन्दर नगरवासियों के लिये किसी मील के पत्थर से कम साबित नहीं होगी। इस पर दायित्वधारी श्री अशोक वर्मा, श्रीमती मधु भट्ट, श्याम अग्रवाल जी, भगवत प्रसाद मकवाना जी, भाजपा के वरिष्ठ नेता रेलवे बोर्ड के सदस्य गोपाल पुरी, विशाल गुप्ता, श्री गुरप्रीत छाबड़ा, मंडल अध्यक्ष श्रीमती पूनम शर्मा, पंकज शर्मा जी, पार्षद रोहन चन्देल पूर्व पार्षद देवेंद्रपाल मोंटी, जयपाल वाल्मीकि, मण्डल महामंत्री राहुल पंवार श्रीमती विमला थपलियाल भाजपा के अनेक वरिष्ठजन पदाधिकारी कार्यकर्ताओ सहित तमाम उपस्थित रहे।

बाप और बेटे की अलग रसोई तो माना जाएगा अलग-अलग परिवार

देहरादून। जनगणना के पहले चरण में रसोई से ही तय होगा कि उस घर में कितने परिवार रहते हैं। अगर दो दोस्त एक साथ रहकर एक ही रसोई से खाना खाते हैं तो उन्हें एक परिवार के तौर पर गिना जाएगा। इसी तरह, जहां दादा-दादी साथ रह रहे हैं, उसे संयुक्त परिवार गिना जाएगा। जनगणना निदेशालय की ओर से प्रदेशभर में पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण व मकान गणना का काम चल रहा है। 24 मई तक होने वाली मकान गणना के बीच परिवार की गिनती को लेकर कई तरह के सवाल लोगों के मन में थे। निदेशक जनगणना इवा आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि मकान में रहने वाले परिवार का आधार रसोई होगा। अगर किसी घर में पति-पत्नी साथ रहकर एक ही रसोई से भोजन करते हैं। दो मित्र एक साथ एक रसोई से या नौकरानी अपने मालिक के परिवार के साथ रहती है तो उन सबको एक परिवार के तौर पर गिना जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पशुपालकों, दुग्ध उत्पादकों एवं मत्स्य पालकों के साथ किया संवाद

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को निरंजनपुर देहरादून में राज्यभर से आये पशुपालकों, दुग्ध

उत्पादकों एवं मत्स्य पालकों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए रेफ्रिजरेटेड फिशरीज वैन का भी फ्लैग ऑफ किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पशुपालन ग्रामीण जीवन शैली का प्रमुख आधार रहा है, जो लाखों परिवारों की आजीविका का भी प्रमुख साधन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा है कि आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो सकता है, जब हमारे गांव, किसान और पशुपालक आर्थिक रूप से सशक्त होंगे। इसलिए केंद्र सरकार पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए "प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना", "राष्ट्रीय पशुधन मिशन", "राष्ट्रीय गोकुल मिशन", "पशुपालन अवसंरचना विकास कोष" तथा "किसान क्रेडिट कार्ड" जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में "मुख्यमंत्री राज्य पशुधन मिशन" के अंतर्गत पशुधन इकाइयों की स्थापना की जा रही है। इनमें पात्र लाभार्थियों को 90 प्रतिशत तक ऋण अनुदान प्रदान किया जा रहा है। गोट वैली और पोल्ट्री वैली जैसी योजनाओं के माध्यम से भी पशुपालकों को सहायता प्रदान की जा रही है। पिछले चार वर्षों में गौ पालन, बकरी पालन और भेड़ पालन के माध्यम से राज्य में साढ़े 11 हजार से अधिक लोगों को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री राज्य पशुधन मिशन के अंतर्गत भी राज्य में करीब 4 हजार से अधिक युवाओं और महिलाओं को भी स्वरोजगार से जोड़ा जा चुका है। उन्होंने कहा कि पशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए 60 विकासखंडों में मोबाइल वेटरनरी यूनिट्स संचालित की जा रही हैं। साथ ही प्रत्येक जनपद में मॉडल पशु चिकित्सालयों का निर्माण किया जा रहा है। वाइब्रेंट विलेज योजना के अंतर्गत सीमांत क्षेत्रों के पशुपालकों को आईटीबीपी के माध्यम से सीधा बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा उत्तराखंड को वर्ष 2030 तक खुरपका-मुंहपका रोग मुक्त राज्य बनाने के लिए चयनित किया गया है, जिससे पशुपालकों को होने वाले आर्थिक नुकसान में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि पिछले 4 वर्षों में राज्य के दुग्ध उत्पादन में प्रतिवर्ष लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। पिछले वर्ष राज्य में सहकारी समितियों के माध्यम से दुग्ध उत्पादकों को लगभग 380 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कामधेनु "बद्री गाय" के 'बद्री घी' को देश में प्रथम जीआई टैग प्राप्त हुआ है। इस जीआई टैग के माध्यम से बद्री घी की गुणवत्ता और विशिष्टता को वैश्विक स्तर पर एक विशिष्ट पहचान मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्राउट फार्मिंग हमारे राज्य में स्वरोजगार का एक बड़ा माध्यम बनकर उभरी है। ट्राउट फार्मिंग को प्रोत्साहित करने के लिए पिछले वित्तीय वर्ष में 170 करोड़ रुपये की ट्राउट प्रोत्साहन योजना शुरू की है। उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ एवं बागेश्वर जनपद में एक-एक ट्राउट हैचरी की स्थापना की जा रही है। इसके साथ ही सरकार उत्तराखंड को हाई वैल्यू फिश प्रोडक्शन एवं एक्सपोर्ट हब के रूप में विकसित करने की दिशा में भी कार्य कर रही है। इन सब प्रयायों से उत्तराखण्ड का मत्स्य सेक्टर 9 प्रतिशत से अधिक की दर से वृद्धि कर रहा है। पिछले वर्ष भारत सरकार द्वारा उत्तराखण्ड को हिमालयी राज्यों की श्रेणी में श्रेष्ठ मत्स्य राज्य का सम्मान भी प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री के साथ संवाद के दौरान हरिद्वार के पशुपालक श्री हरिकिशन लखेड़ा ने कहा कि उन्होंने ब्रीड मल्टीप्लीकेशन फार्म योजना के तहत 50 गायें खरीदी। इस योजना का फायदा मिलने के बाद वे साहिवाल गाय से प्रतिदिन 300 लीटर दूध का उत्पादन कर रहे हैं। आठ लोग इस कार्य में उनसे जुड़े हैं। इससे उनकी प्रतिमाह 01 लाख 15 हजार की शुद्ध आय अर्जित हो रही है। डोईवाला के अमित सिंह ने कहा कि उन्होंने गायों के चारे के लिए एफ.पी.ओ की स्थापना की। इसमें उनके साथ 386 लोग जुड़े है। तीन साल में उनका 10 करोड़ से अधिक का टर्न ओवर रहा है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री सौरभ बहुगणा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के मागदर्शन में पिछले चार सालों में पशुपालन, डेरी और मत्स्य पालन के क्षेत्र में अनेक नवाचार हुए हैं। राज्य में मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना लागू की गई। गोट वैली प्रोजक्ट में 5 हजार 827 लाभार्थी जुड़े। अनेक योजनाओं में सब्सिडी दी जा रही है। आज सभी दुग्ध संघ फायदे में हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष गौ सेवा आयोग श्री राजेन्द्र प्रसाद अंथवाल, उत्तराखण्ड पशु कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र मोघा, उत्तराखंड मत्स्य पालक विकास अभिकरण के उपाध्यक्ष श्री उत्तम दत्ता, श्रीमती सीमा चौहान, अपर सचिव श्री संतोष बडोनी मौजूद थे।

एमडीडीए का बड़ा एक्शन, अवैध निर्माणों पर चला सीलिंग अभियान, पटेलनगर -देहराखास में दो निर्माण सील

देहरादून। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने राजधानी में अवैध निर्माणों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए गुरुवार को दो प्रमुख स्थानों पर सीलिंग अभियान चलाया। प्राधिकरण की टीम ने पटेल नगर सहारनपुर रोड और देहराखास क्षेत्र में नियमों के विपरीत बनाए जा रहे निर्माणों को चिन्हित कर उन्हें सील कर दिया। प्राधिकरण ने यह साफ संदेश गया है कि बिना स्वीकृति के निर्माण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी क्रम में पटेल नगर सहारनपुर रोड पर मनी गर्ग द्वारा कराए जा रहे अवैध व्यवसायिक निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे सील किया गया। इसी तरह देहराखास क्षेत्र में विपिन कुमार वर्मा द्वारा किए जा रहे अवैध आवासीय निर्माण को भी सील कर दिया गया। जांच के दौरान पाया गया कि दोनों निर्माण बिना स्वीकृत नक्शे और आवश्यक अनुमति के किए जा रहे थे, जो प्राधिकरण के नियमों का सीधा उल्लंघन है। जिस पर संयुक्त सचिव प्रत्यूस सिंह द्वारा नियमानुसार कार्यवाही करते हुये सीलिंग के ओदश पारित किये गये कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता निशान्त कुकरेती, अवर अभियंता जयदीप राणा और सुपरवाइजर की टीम मौजूद रही। एमडीडीए की इस कार्रवाई को शहर में बढ़ते अवैध निर्माण पर लगाम लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अवैध निर्माण किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा - बंशीधर तिवारी

एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माण को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना स्वीकृत मानचित्र और अनुमति के किए जा रहे निर्माण न केवल नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि शहर के सुनियोजित और संतुलित विकास के लिए गंभीर चुनौती भी हैं। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं और जहां भी अवैध निर्माण की सूचना मिलती है, वहां तत्काल कार्रवाई की जाती है। तिवारी ने आमजन से अपील की कि वे किसी भी निर्माण कार्य को शुरू करने से पहले आवश्यक स्वीकृति अवश्य प्राप्त करें। उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और इस अभियान को और तेज किया जाएगा।

भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी - मोहन सिंह बर्निया

एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया ने कहा कि अवैध निर्माणों के खिलाफ प्राधिकरण का अभियान लगातार जारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी और बिना अनुमति निर्माण करने वालों को किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी। शहर के सुनियोजित विकास, ट्रैफिक प्रबंधन और बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई बेहद आवश्यक है।

उत्तराखंड पहुंची कांग्रेस प्रदेश प्रभारी शैलजा

देहरादून। शैलजा पांच दिवसीय दौरे पर उत्तरखंड पहुंच गई है। जानकारी

के अनुसार वह सात मई को श्रीनगर में पौड़ी जिला कांग्रेस कमेटे के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगी, इसके बाद वह सोनप्रयाग के लिए रवाना होंगी। आठ मई को सुबह हेलीकप्टर से केदारनाथ धाम पहुंचकर पूजा-अर्चना करेगी। दर्शन के बाद अगस्त्यमुनि और रुद्रप्रयाग में कार्यकर्ताओं के साथ संवाद और बैठक करेंगी। नौ मई को चमोली जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक में भाग लेंगी। शाम को बदरीनाथ पहुंचेंगी। 10 मई को बदरीनाथ धाम में दर्शन करने के बाद वह जोशीमठ में पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलेंगी और रात्रि विश्रम श्रीनगर में ही करेंगी। मई को दौरे के अंतिम दिन चंवा (टिहरी) में जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन का फीडबैक लेंगी और इसके बाद दिल्ली के लिए रवाना हो जाएगी। इस दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

भारत की पहली फीचर फिल्म राजा हरीशचंद्र

नई दिल्ली। ''राजा हरिश्चंद्र'' (1913) भारत की पहली पूर्ण-लंबाई वाली मूक फीचर फिल्म थी, जिसका निर्देशन दादासाहेब फाल्के ने किया था। 3 मई 1913 को बम्बई के कोरोनेशन सिनेमा में रिलीज हुई यह फिल्म सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र की पौराणिक कहानी पर आधारित थी। इस ऐतिहासिक मूक फिल्म में सभी भूमिकाएं पुरुषों द्वारा निभाई गई थीं, जिसमें रानी तारामती का पात्र भी एक पुरुष कलाकार (अन्ना सालुंके) ने निभाया था। फिल्म में राजा हरिश्चंद्र (डी.डी. डबके) को रानी तारामती (अन्ना सालुंके) की उपस्थिति में अपने पुत्र रोहिताश्व (भालचंद्र फाल्के) को ध्सनुष-बाण चलाना सिखाते हुए दिखाया गया है । उनकी प्रजा उनसे शिकार पर जाने का अनुरोध करती है। शिकार के दौरान हरिश्चंद्र को कुछ स्त्रियों के रोने की आवाज सुनाई देती है। वे एक ऐसे स्थान पर पहुँचते हैं जहाँ ऋषि विश्वामित्र (गजानन साने) त्रिगुण शक्ति (तीन शक्तियों) से उनकी इच्छा के विरुद्ध सहायता प्राप्त करने के लिए यज्ञ कर रहे होते हैं । हरिश्चंद्र अनजाने में तीनों शक्तियों को मुक्त करके विश्वामित्र के यज्ञ में बाधा डालते हैं । विश्वामित्र के क्रोध को शांत करने के लिए हरिश्चंद्र अपना राज्य अर्पित कर देते हैं। राजमहल लौटकर वे तारामती को सारी घटना की सूचना देते हैं। विश्वामित्र हरिश्चंद्र, तारामती और रोहिताश्व को वनवास भेज देते हैं और उनसे दक्षिणा की व्यवस्था करने को कहते हैं ।

वनवास के दौरान रोहिताश्व की मृत्यु हो जाती है और हरिश्चंद्र तारामती को डोम राजा से नि:शुल्क अंतिम संस्कार की व्यवस्था करने का अनुरोध करने के लिए भेजते हैं। जब तारामती डोम राजा से मिलने जा रही होती है, तब विश्वामित्र उसे काशी के राजकुमार की हत्या के आरोप में फंसा देते हैं। तारामती पर मुकदमा चलता है, वह अपना अपराध स्वीकार करती है और हरिश्चंद्र द्वारा उसका सिर कलम करने का आदेश दिया जाता है। जब वह अपना कार्य पूरा करने के लिए तलवार उठाते हैं, तो प्रसन्न भगवान शिव प्रकट होते हैं। विश्वामित्र बताते हैं कि वह हरिश्चंद्र की सत्यनिष्ठा की परीक्षा ले रहे थे, उन्हें मुकुट लौटा देते हैं और रोहिताश्व को पुनर्जीवित कर देते हैं।

113 साल पहले एक बहुत बड़ी भीड़ कोरोनेशन थिएटर के बाहर जमा थी। भीड़ में शामिल लोग किसी भी तरह एक फिल्म की टिकट हासिल करना चाहते थे। भारत की पहली फीचर फिल्म की टिकट। फिल्म का नाम था राजा हरीशचंद्र। चार रीलों (3700 फीट) में बनी राजा हरीशचंद्र की कुल ड्यूरेशन लगभग 50 मिनट की थी। फिल्म में मराठी सबटाइटल्स भी थे। और फिल्म को बनाया था धुंडीराज गोविंद फाल्के। दुनिया आज इन्हें दादासाहेब फाल्के नाम से जानती है। लेकिन ये भीड़ एकदम से जमा नहीं हुई थी। पहले बहुत लोग आ ही नहीं रहे थे फिल्म को देखने। लेकिन फिर दादासाहेब ने फिल्म की मार्केटिंग की तो लोग आने शुरू हुए। औ भीड़ इतनी बढ़ी की टिकट के लिए मारामारी तक होने लगी। आज भारत की पहली फीचर फिल्म राजा हरीशचंद्र को रिलीज हुए 113 साल हो गए हैं। तो चलिए ये कहानी बिल्कुल शुरुआत से जानते हैं। पूरी कहानी पढ़िएगा। पसंद आए तो लाइक-शेयर जरूर कीजिएगा। और किस्सा टीवी को फॉलो कर लीजिएगा ऐसी ही कहानियां लगातार पढ़ते रहने के लिए।

उस वक्त दादासाहेब एक प्रिंटिंग प्रेस में नौकरी कर रहे थे जब उन्होंने तय किया कि वो भी एक फिल्म बनाएंगे। दरअसल, बॉम्बे के सैंडहर्स्ट रोड पर मौचूद अमेरिका इंडिया पिक्चर पैलेस में अमेजिंग एनिमल्स नाम की एक फिल्म देखी थी। स्क्रीन पर विभिन्न जंगली व पालतू जानवरों को देखकर उन्हें बड़ी हैरत और बहुत मजा आया। ठीक अगले ही दिन दादासाहेब फाल्के एक और फिल्म देखने पहुंचे। इस बार उन्होंने अपने परिवार को भी साथ लिया। फिल्म थी ''द लाइफ ऑफ क्राइस्ट।'' ईसाई त्यौहार ईस्टर के मौके पर वो फिल्म दिखाई जा रही थी। श्द लाइफ ऑफ क्राइस्टश फिल्म देखकर ही दादासाहेब फाल्के को ये विचार आया कि राम व कृष्ण तथा अन्य हिंदू भगवानों को भी तो फिल्म बनाकर दर्शकों को दिखाया जा सकता है।

दादासाहेब ने प्रिंटिंग प्रैस की अपनी नौकरी छोड़ी और अपने कुछ धनाढय मित्रों से बात की। अपने उन मित्रों में से एक को किसी तरह दादासाहेब ने इस बात के लिए राजी कर लिया कि वो उनके लंदन जाने का खर्च उठा लें। दादासाहेब लंदन से फिल्म मेकिंग सीखना चाहते थे। उनके एक दोस्त उनका खर्च उठाने को तैयार हुए। उनका नाम था यशवंत नंदकर्णी। यशवंत नंदकर्णी तैयार कैसे हुए दादा साहेब की लंदन ट्रिप का खर्च उठाने के लिए? तो बात ये है कि दादा साहेब ने फिल्म मेकिंग से पहले कई तरह के काम किए थे। वो मैजिक शोज किया करते थे। मेक-अप फील्ड में भी रह चुके थे। आर्कियोलॉजिकल डिपार्टमेंट में भी उन्होंने कुछ समय के लिए नौकरी की थी। प्रिंटिंग में तो नौकरी ही कर रहे थे उस वक्त। और सबसे बड़ी बात, उन्हें फोटोग्राफी का भी अनुभव था।

अपने उन अमीर दोस्तों को कन्विंस करने के लिए दादासाहेब ने स्टॉप-मोशन फोटोग्राफी का इस्तेमाल करके एक शॉर्ट फिल्म बनाई थी जिसे उन्होंने नाम दिया था श्बर्थ ऑफ ए पी प्लांट।श यानि, मटर के पौधे का जन्म। दादासाहेब ने मटर के पौधे की ग्रोथ को कैप्चर करके उसे स्टॉप-मोशन से एक शॉर्ट फिल्म के रूप में अपने उन दोस्तों को दिखाया था। उन दोस्तों में सिर्फ यशवंत नंदकर्णी तैयार हो गए दादासाहेब को लंदन जाकर फिल्म मेकिंग सीखने का खर्च वहन करने को। दादासाहेब ने कल्बादेवी की एक इलैक्ट्रिकल शॉप में यशवंत नंदकर्णी को अपनी वो शॉर्ट फिल्म दिखाई थी जिसे उन्होंने 45 दिनों की मेहनत से बनाया था। सन 1912 में दादासाहेब लंदन गए थे। वहां से फिल्म मेकिंग की ट्रेनिंग उन्होंने ली। किस्मत से दादासाहेब को लंदन में सेसिल हैपवर्थ नामक एक फिल्ममेकर के सुपरविजन में फिल्ममेकिंग की ट्रेनिंग मिली। सेसिल हेपवर्थ उस वक्त किसी फिल्म का ही निर्माण कर रहे थे जब दादासाहेब की मुलाकघत उनसे हुई थी। दादासाहेब को सेसिल हेपवर्थ से मिलाया था एक सिनेमा मैगजीन के पब्लिशर ने।

लंदन में ही दादासाहेब की दोस्ती उस पब्लिशर से हुई थी। काम सीखने के बाद जब दादा साहब भारत वापस लौटे तो साथ में वो एक विलियमसन कैमरा, एक प्रिंटिंग मशीन, एक परफोरेटर और कुछ रॉ फिल्में खरीदकर भी लाए। भारत लौटने के बाद दादासाहेब ने अपनी ''फाल्के फिल्म्स कंपनी'' स्थापित की। उन्होंने राजा हरीशचंद्र की कहानी पर फिल्म बनाने का फैसला किया। और जल्द ही स्क्रीनप्ले भी लिख लिया। मगर फिल्म बनाने के लिए पैसों की जरूरत थी। और पैसा लगाने के लिए कोई तैयार नहीं हो रहा था।

वो दोस्त भी नहीं जिन्होंने दादासाहेब को लंदन जाकर फिल्म मेकिंग सीखने में मदद की थी। ऐसे में उन्होंने अपनी बीमा पॉलिसी तोड़ ली। और अपनी पत्नी काकी फाल्के के गहने भी बेच दिए। ताकि फिल्म बनाने के लिए पैसा जुटा सकें। पत्नी ने स्वंय ही दादासाहेब को अपने गहने दिए थे बेचने के लिए। इसलिए तो नारी महान है। उस जमाने में मराठी स्टेज नाटकों का एक बड़ा नाम हुआ करते थे डी.डी. डाबके यानि दत्तात्रेय दामोदर डाबके। दादासाहेब ने बहुत प्रयास के बाद उन्हें राजा हरीशचंद्र का रोल निभाने के लिए तैयार कर लिया। कोई भी फिल्म में काम करने को तैयार नहीं हो रहा था। क्योंकि तब फिल्मों को अच्छा नहीं समझा जाता था। इसिलिए दादासाहेब को डीडी डाबके को हरीशचंद्र के रोल में कास्ट करने के लिए भी बहुत मिन्नतें करनी पड़ी थी उनकी। मगर असली चुनौती थी राजा हरीशचंद्र की पत्नी तारामती का रोल निभाने के लिए किसी एक्टर को राजी करना। दादासाहेब किसी महिला को ही तारामती का रोल निभाने के लिए लेना चाहते थे। लेकिन वो दौर ऐसा था कि महिलाएं नौटंकी व एक्टिंग जैसे काम करेंगी, ये कोई सोच भी नहीं सकता था। दादासाहेब ने तो कुछ वेश्याओं तक से भी तारामती का रोल निभाने के बारे में बात की थी। मगर उन्होंने भी इन्कार कर दिया था।

दिव्या भारती की आखिरी रिलीज फिल्म थी क्षत्रिय

नई दिल्ली। ''क्षत्रिय'' दिव्या भारती की आखिरी फिल्म थी, फिल्म की रिलीज के महज एक हफ्ते बाद ही उनका निधन हो गया। यह फिल्म 26 मार्च, 1993 को रिलीज हुई थी और उनकी मृत्यु 5 अप्रैल को हुई थी। दिव्या भारती ने फिल्म शविश्वात्माश से बॉलीवुड इंडस्ट्री में कदम रखा था और महज दो साल में इंडस्ट्री में एक्ट्रेस ने कदम जमा लिए थे। आपने तीन साल के करियर में एक्ट्रेस ने बैक टू बैक सुपरहिट फिल्में दी थी। दिव्या भारती जब जिंदा थी तब उनकी आखिरी रिलीज्ड फिल्म यही थी। क्षत्रिय। जो 26 मार्च 1993 को रिलीज हुई थी। यानि आज इस फिल्म के 33 साल पूरे हो गए। इस फिल्म के डायरेक्टर थे जे.पी.दत्ता। और इसके कहानीकार थे जे.पी.दत्ता के पिता ओ.पी.दत्ता। इस मल्टीस्टारर फिल्म में ध मेंद्र, विनोद खन्ना, सुनील दत्त, संजय दत्त, सनी देओल, राखी, नफीसा अली, मीनाक्षी शेषाद्री, दिव्या भारती, डॉली मिन्हास, रवीना टंडन, प्रेम चोपड़ा, पुनीत इस्सर, विजेंद्र घाटगे, कुलभूषण खरबंदा और कबीर बेदी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म का संगीत तैयार किया था लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने।

इस फिल्म में पशु बलि के दृश्य हैं जिनको लेकर काफी विवाद हुआ था। कई पशु अधिकार संगठनों ने इन दृश्यों पर कड़ा ऐतराज जताया था और फिल्म से इन दृश्यों को हटाने की मांग की थी। हालांकि उनके विरोध का कुछ हुआ नहीं था। वैसे क्षत्रिय सनी देओल और सजंय दत्त की अभी तक की आखिरी फिल्म है। इसके बाद से कोई ऐसी फिल्म नहीं आई है जिसमें ये दोनों कलाकार साथ दिखे हों। इससे पहले आई क्रोध(1990) और योद्धा(1991) में भी इन दोनों ने स्क्रीन शेयर की थी।

इस फिल्म के रिलीज होने के कुछ ही दिन बाद मुंबई ब्लास्ट केस में एक्टर संजय दत्त गिरफ्तार हो गए थे। जिस वजह से इस फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलैक्शन पर बहुत बुरा असर पड़ा था। वर्ना ये फिल्म बड़ी शानदार जा रही थी। फिल्म में जिस रोल में विनोद खन्ना जी नजर आए थे उसके लिए जे.पी.दत्ता की पहली चॉइस अमिताभ बच्चन थे। लेकिन उनसे दत्ता जी की बात नहीं बन पाई। और विनोद खन्ना इस फिल्म का हिस्सा बन गए।

ये इकलौती फिल्म है जिसने रियल लाइफ स्टार पिता-पुत्रों की जोड़ी को साथ ला दिया। सुनील दत्त और संजय दत्त व धर्मेंद्र और सनी देओल। हालांकि दत्त साहब और संजय दत्त का कोई दृश्य साथ में नहीं है। जे.पी.दत्ता को ये फिल्म पूरी करने में पूरे एक साल का वक्त लगा। फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 1991 में शुरु हुई और अक्टूबर 1992 में पूरी हो गई। फिल्म इसी साल रिलीज किया जाना था। लेकिन मुंबई में हुए सांप्रदायिक दंगों की वजह से फिल्म की रिलीज को रोक दिया गया। उस वक्त दामिनी, परमपरा और लुटेरे की रिलीज भी टाल दी गई थी।

कहा जाता है कि क्षत्रिय फिल्म की शूटिंग के दौरान डायरेक्टर जे.पी.दत्ता और उनकी पत्नी बिंदिया गोस्वामी के साथ दिव्या भारती के रिलेशन काफी खराब हो गए थे। दिव्या को ये बात बहुत अखर रही थी कि जे.पी.दत्ता और बिंदिया गोस्वामी रवीना टंडन को कुछ ज्यादा ही फेवर कर रहे थे। दोनों अक्सर रवीना को साथ लेकर डिनर के लिए जाया करते थे। जबकी दिव्या से वो सही से बात भी नहीं करते थे। एक दिन दिव्या सेट के पास स्मोकिंग कर रही थी और किसी से बात करते हुए जोर-जोर से हंस रही थी। डायरेक्टर जे.पी.दत्ता इससे नाराज हो गए और उन्होंने दिव्या को बुरी तरह डांट दिया।

जे.पी.दत्ता का कहना था कि दिव्या को काम को गंभीरता से लेना चाहिए और उनके सामने स्मोकिंग नहीं करनी चाहिए। वर्ना वो दिव्या को सेट से भगा देंगे। ऐसे ही एक दफा दिव्या भारती बिंदिया गोस्वामी पर बुरी तरह भड़क गई थी। दरअसल, एक सीन में दिव्या भारती और रवीना टंडन दोनों को एक साथ डायलॉग्स बोलने थे। लेकिन दिव्या को लगा कि उनके लिए जो ड्रैस मंगाई गई है वो बेहद मामूली है। जबकी रवीना को बहुत अच्छी ड्रेस लाकर दी गई है। दिव्या को इसी बात पर गुस्सा आ गया और उन्होंने बिंदिया गोस्वामी को चेतावनी दी कि अगर उनके लिए अच्छी ड्रेस का इंतजाम नहीं किया गया तो वो फिल्म छोड़ देंगी। जे.पी.दत्ता चाहते थे कि क्षत्रिय की शूटिंग सेट लगाकर मुंबई में ही की जाए। लेकिन प्रोड्यूसर सुरेंद्र दास सोनकिया की मर्जी थी कि फिल्म को राजस्थान में ही शूट किया जाए। जे.पी.दत्ता राजस्थान में पहले ही दो फिल्में, गुलामी और बंटवारा शूट कर चुके थे।

रक्षा अनुसंधान सरकार की प्राथमिकताओं के केंद्र में : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने तीव्र तकनीकी क्रांति के वर्तमान युग में भविष्य के लिए तैयार रहने हेतु अनुसंधान पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने और अप्रत्याशित नवाचार की रणनीति अपनाने के महत्व पर बल दिया। रक्षा मंत्री ने 4 मई, 2026 को प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में भारतीय सेना की उत्तरी एवं मध्य कमान तथा भारतीय रक्षा निर्माता सोसायटी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय नॉर्थ टेक संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में रक्षा कर्मियों, उद्योगपतियों, नवप्रवर्तकों, स्टार्टअप्स और शिक्षा जगत के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। रक्षा मंत्री ने आधुनिक युद्ध में हो रहे तकनीकी बदलावों की त्वरित गति और अप्रत्याशित रूप से उभरते हुए अनायास हमलों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष में, युद्ध का स्वरूप महज तीन-चार वर्षों में टैंकों और मिसाइलों से बदलकर ड्रोन और सेंसर जैसे क्रांतिकारी उपकरणों में परिवर्तित हो गया। इसके अलावा, दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुकी वस्तुएं भी घातक हथियार बनती जा रही हैं। लेबनान और सीरिया में हुए पेजर हमलों ने आधुनिक युद्ध पद्धतियों के पुनर्मूल्यांकन को प्रेरित किया है। ऐसी स्थिति में हमंक तैयार रहना होगा। श्री राजनाथ सिंह ने सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने और ऐसी क्षमताएं विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया, जो आवश्यकता पड़ने पर देश को अपने शत्रु पर अप्रत्याशित हमला करने में सक्षम बनाएं। उन्होंने कहा कि इतिहास साक्षी है कि युद्ध में निर्णायक बढ़त सदैव उसी को मिलती है जिसके पास अचानक हमला करने की शक्ति होती है। हालांकि हमारे रक्षा बल पहले से ही इस दिशा में कार्य कर रहे हैं, हमें और अधिक सक्रियता के साथ आगे बढ़ना होगा। वर्तमान जटिल और तेजी से बदलते परिवेश में अनुकूलनशीलता सुनिश्चित करने के महत्व पर बल देते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि जो राष्ट्र तकनीकी क्रांति को सबसे तेजी से अपनाएगा, उसे भविष्य के युद्ध परिदृश्य में निर्णायक बढ़त प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में अनुसंधान का कोई विकल्प नहीं है और भविष्य के युद्ध किस प्रकार लड़ जाएंगे, यह आज प्रयोगशालाओं में निर्धारित हो रहा है। श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार ने रक्षा अनुसंधान को अपनी प्राथमिकताओं के केंद्र में रखा है और डीआरडीओ के माध्यम से इसे अगले स्तर तक ले जाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ अब इस यात्रा पर अकेला नहीं है।

''दूर तक जाने के लिए साथ चलेंश के मंत्र से प्रेरित होकर, यह बड़ी संख्या में उद्योगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहा है। रक्षा मंत्री ने बताया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास बजट का 25 प्रतिशत हिस्सा उद्योग, शिक्षा जगत और स्टार्टअप्स को आवंटित किया गया है और अब तक इन संस्थाओं ने बजट का 4,500 करोड़ रुपये से अधिक का उपयोग कर लिया है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की एक नई नीति लागू की गई है, जिसके अंतर्गत विकास-सह-उत्पादन साझेदारों, विकास साझेदारों और उत्पादन एजेंसियों के लिए पहले लगने वाला 20 प्रतिशत शुल्क पूरी तरह से माफ कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप, डीआरडीओ ने अब तक विभिन्न उद्योगों को 2,200 से अधिक प्रौद्योगिकियां हस्तांतरित की हैं। श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि डीआरडीओ ने भारतीय उद्योगों को अपने पेटेंट तक निःशुल्क पहुंच प्रदान करने की नीति शुरू की है, जिससे उनकी तकनीकी क्षमताओं और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता दोनों को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ की परीक्षण सुविधाएं भी भुगतान के आधार पर उद्योगों के लिए खोल दी गई हैं। हर वर्ष सैकड़ों उद्योग अनुसंधान एवं विकास सहायता के लिए इन सुविधाओं का उपयोग करते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि उद्योगों को निर्देशित ऊर्जा हथियार, हाइपरसोनिक हथियार, जलमग्न क्षेत्र जागरूकता, अंतरिक्ष स्थिति जागरूकता, क्वांटम प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़कर उत्कृष्टता हासिल करनी चाहिए। उन्होंने इस प्रयास में सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। श्री राजनाथ सिंह ने बदलती परिस्थितियों का गहन विश्लेषण करने और भारत की तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए रक्षा बलों और उद्योग जगत की सराहना की और ऑपरेशन सिंदूर को तकनीकी युद्ध और राष्ट्र की तत्परता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने विश्व के सामने हमारे रक्षा बलों की वीरता और क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इस ऑपरेशन के दौरान आकाशतीर, आकाश मिसाइल प्रणाली और ब्रह्मोस जैसी उन्नत मिसाइल प्रणालियों सहित अत्याधुनिक स्वदेशी उपकरणों का उपयोग किया गया। यह इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि हम न केवल युद्ध की बदलती प्रकृति को समझते हैं, बल्कि अटूट आत्मविश्वास के साथ तकनीकी प्रगति को भी लागू कर रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा देश के रक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस (आईडेक्स), एसीटिंग डेवलपमेंट ऑफ इनोवेटिव टेक्नोलॉजीज विद आईडेक्स (एडीआईटीआई) और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट फंड (टीडीएफ) जैसी पहलें नवाचार को बढ़ावा देने और निजी क्षेत्र की भागीदारी को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में अवसंरचना विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में शुरू की गई रक्षा क्षेत्र से सीधे जुड़ी कई अवसंरचना परियोजनाओं, विशेष रूप से रक्षा औद्योगिक गलियारे की स्थापना की जानकारी देते हुए कहा कि यह भारत की रक्षा क्षमताओं को सक्रिय रूप से बढ़ा रही हैं।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार के आत्मनिर्भरता प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं, क्योंकि वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड 1.54 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि रक्षा निर्यात सर्वकालिक उच्च स्तर 38,424 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि और भी तेज होने की संभावना है और इस उपलब्धि में निजी क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जर्मनी की अपनी हाल की यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विदेशी कंपनियां भारतीय रक्षा कंपनियों के साथ साझेदारी करने में गहरी रुचि दिखा रही हैं, जो अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रक्षा उद्योग की बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रमाण है। रक्षा मंत्री ने श्रक्षा त्रिवेणी संगम- जहां प्रौद्योगिकी, उद्योग और सैन्य शक्ति का संगम होता हैश विषय पर आधारित नॉर्थ टेक संगोष्ठी को नवाचार को बढ़ावा देने और भारत की तकनीकी एवं रक्षा तैयारियों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने सभी हितधारकों को अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाने में सक्षम बनाने के लिए ठोस सुझावों की आशा व्यक्त की।

पांच ग्राउंड-बेस्ड मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के लिए बीईएल के साथ अनुबंध

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने हैदराबाद स्थित भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ भारतीय सेना के लिए 1,476 करोड़ रुपये की लागत से पांच ग्राउंड-बेस्ड मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम की खरीद के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें न्यूनतम 72% स्वदेशी घटक शामिल होंगे। स्वदेशी डिजाइन, विकास और निर्माण (बाय इंडिया-इंडिजिनली डिजाइन्ड, डेवलप्ड एंड मैन्युफैक्चर्ड) श्रेणी के तहत यह अनुबंध नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-2 में रक्षा सचिव श्री राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। यह प्रणाली भारतीय सेना की इकाइयों का आधुनिकीकरण करेगी और देश के स्वदेशी रक्षा विनिर्माण तंत्र को मजबूत करेगी। यह अनुबंध रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत और मेक-इन-इंडिया के प्रति प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किए जाये कार्यः मुख्य सचिव

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सचिवालय में देहरादून में विद्युत लाईनों की अंडरग्राउण्ड केबलिंग को लेकर ऊर्जा विभाग एवं जिलाधिकारी देहरादून के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। मुख्य सचिव ने पिटकुल को निर्देश दिए कि सड़कों की खुदाई एवं अंडरग्राउण्ड केबलिंग और ब्लैक टॉपिंग का कार्य जून माह तक पूर्ण कर लिया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि पिटकुल को सभी फ्रंट पर एक साथ कार्य खोलने के बजाय कुछ फ्रंट पर कार्य खोलकर अपनी सभी लेबर को एक ही जगह कंसंट्रेट करते हुए कार्य को निर्धारित समयसीमा के अंतर्गत पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इससे पूरे शहर की सड़कें खुदने के बजाय कुछ हिस्सों में अधिक लेबर लगाने से कार्य ज्यादा तेजी से होगा। इससे शहरवासियों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी देहरादून के साथ लगातार सम्पर्क बनाते हुए अपने कार्य को तय समय सीमा के साथ पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जिलाधिकारी देहरादून को भी अंडरग्राउण्ड केबलिंग की प्रगति की साप्ताहिक मॉनिटरिंग किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एक जगह कार्य पूर्ण होने के बाद ही आगे के कार्य शुरू किए जाने की परमिशन दी जाए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्री आर. मीनाक्षी सुन्दरम, जिलाधिकारी देहरादून श्री सविन बंसल एवं पिटकुल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

स्वामी एवं प्रकाशक मौ. वसी के लिये मुद्रक नुसरत निशान खान द्वारा कौमी गुलदस्ता प्रिंटर्स, विलेज आमवाला, पोस्ट घंघौरा, देहरादून द्वारा, उत्तराखण्ड-248141 से मुद्रित एवं 5, लेन नम्बर 2, नामदेव एन्क्लेव फेस 2, ब्राहम्णवाला, देहरादून उत्तराखण्ड- 248171 से प्रकाशित। सम्पादक-मौ. वसी,
समस्त विवाद के लिये न्याय क्षेत्र देहरादून मान्य होगा। सम्पर्क- 9411112331

हमारे अखबार के ताजा अंक को ऑनलाइन पढ़ने के लिये www.aawamindia.com वेबसाइट पर जायें।
facebook: www.facebook.com/indiaaawam, youtube:www.youtube.com/@aawamindia,
X:www.x.com/aawamindia, Instagram:https://instagram.com/aawamindia